RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2025)

हमारी विरासत

जंतर मंतर

जंतर मंतर एक खगोलीय प्रेक्षण स्थल है, जो गुलाबी नगरी जयपुर में स्थित है और इसका निर्माण 18वीं शताब्दी के प्रारंभ में महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने करवाया था। जंतर मंतर, सटीक खगोलीय मापन के लिए राजपूत काल की स्थापत्य कला और खगोलीय नवाचारों का प्रमाण है। जंतर मंतर, एक खुली हवा में स्थित खगोलीय वेधशाला होने के नाते, 1734 में बनकर तैयार हुआ था और दुनिया के दुर्लभ आकर्षण स्थलों में से एक है। जंतर नाम संस्कृत शब्द "यंत्र" से लिया गया है जिसका अर्थ है "यंत्र" और मंतर शब्द "मंत्रणा" से लिया गया है जिसका अर्थ है "गणना"। इस प्रकार, जंतर मंतर का शाब्दिक अर्थ है गणना यंत्र।

:: अधिक जानकारी के लिए देखें ::
https://www.tourism.rajasthan.gov.in/jantar-mantar

माननीय सूचान प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव का जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर श्री चंदन सेन, ए.एस.आई.ओ और वैज्ञानिक-एफ, द्वारा स्वागत किया गया।

परिचय : नवनियुक्त एस.आई.ओ

डॉ. पी. गायत्री, वैज्ञानिक "F" कंप्यूटर विज्ञान राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी में पीएच.डी. एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र

डॉ. गायत्री पांडुरंगी को 31 वर्षों से अधिक का अनुभव है और वे चुनौतीपूर्ण ई-गवर्नेंस आईटी परियोजनाओं को संभालने का अनुभव रखती हैं, जिसमें सिस्टम आर्किटेक्चर से लेकर कार्यान्वयन और तकनीकी सहायता, सरकारी विभागों को आईटी सलाह, इन-हाउस तकनीकी प्रशिक्षण आदि शामिल हैं। उन्होंने पत्रिकाओं में तकनीकी पत्र प्रकाशित किए हैं और शीर्ष स्तरीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने डेवलपर, विश्लेषक-सह-डिज़ाइनर, प्रोजेक्ट-लीड, सलाहकार के रूप में काम किया है और कोलैब-फाइल्स, परिचय, जन-परिचय और गॉव-ड्राइव के अखिल भारतीय कार्यान्वयन के साथ विविध परियोजनाओं/डिलीवरी के प्रबंधन का निरंतर ट्रैक रिकॉर्ड रखा है। वे प्रमुख संसाधन व्यक्ति और एनआईसी के कार्य समूहों, तकनीकी समीक्षा समिति की सदस्य, एक पैनलिस्ट और तकनीकी मंचों पर एक आमंत्रित वक्ता हैं।

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

पीएम कुसुम लाभार्थियों के साथ बातचीत

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर, 2025 को राजस्थान के बांसवाड़ा में आरएपीपी परिसर में माही बांसवाड़ा, राजस्थान परमाणु ऊर्जा (आरएपीपी) परियोजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना का क्रियान्वयन एनपीसीआईएल और एनटीपीसी लिमिटेड के संयुक्त उद्यम, अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (अश्विनी) द्वारा किया जा रहा है। आगमन पर, माननीय प्रधानमंत्री ने सबसे पहले राजस्थान के पीएम कुसुम लाभार्थियों और, उसके बाद एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बांसवाड़ा स्थित पीएम इंटरेक्शन स्थल से जुड़े महाराष्ट्र के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। जिसके बाद, माननीय प्रधानमंत्री ने मुख्य मंच से परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखी और साथ ही परमाणु ऊर्जा, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढाँचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैली कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया, एवं राजस्थान से तीन नई ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। एनआईसी जिला केंद्र, बांसवाड़ा ने एनटीपीसी, बीएसएनएल और जिला डीओआईटी विभाग के साथ समन्वय में, कार्यक्रम स्थल पर बीएसएनएल, एयरटेल और जियो की कनेक्टिविटी सुनिश्चित की। कार्यक्रम से एक दिन पहले, मुख्य और बैकअप लीज लाइन कनेक्टिविटी का परीक्षण एनआईसी वीसी डिवीजन, नई दिल्ली के साथ बीएसएनएल, एयरटेल और जियो द्वारा प्रदान की गई आरएफ-आधारित फाइबर कनेक्टिविटी का उपयोग करके, कार्यक्रम स्थलों जैसे - मुख्य मंच, पीएम कुसुम इंटरेक्शन साइट और अस्थायी पीएमओ साइट पर सफलतापूर्वक किया गया था। एनआईसी वीसी डिवीजन के समर्थन से, बांसवाड़ा और महाराष्ट्र कार्यक्रम स्थल के बीच पीएम कुसुम इंटरेक्शन और मुख्य मंच कार्यक्रम का वीसी कोडेक फीड एनआईसी वीसी डिवीजन को सफलतापूर्वक प्रदान किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री का लाइव कार्यक्रम और किसान उत्सव दिवस का राज्य स्तरीय समारोह

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त, 2025 को वाराणसी से "पीएम किसान योजना" के अंतर्गत किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की। बांसवाड़ा के कॉलेज ग्राउंड में एक राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया, जहाँ से राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री और अन्य राज्य मंत्रियों ने लाभार्थी किसानों के साथ माननीय प्रधानमंत्री के किसान सम्मान निधि के ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया। "किसान उत्सव दिवस" के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कृषि और संबद्ध योजना के तहत लाभार्थी किसानों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए, जिसके बाद माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न लाभार्थियों को सरस बूथ और पीडीएस के लिए आवंटन पत्र प्रदान किए गए। राजस्थान के सभी जिले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बांसवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े थे। दोनों कार्यक्रम NIC बांसवाड़ा जिला केंद्र द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सहायता व जिला DoIT विभाग के समन्वय में, सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। कार्यक्रम से एक दिन पूर्व, एनआईसी वीसी प्रभाग के सहयोग से, कॉलेज ग्राउंड बांसवाड़ा में 100 एमबीपीएस बीएसएनएल मेन लीज़ लाइन और आर.एस.डब्ल्यू.ए.एन बैकअप लीज़ लाइन कनेक्टिविटी स्थापित की गई और उसका सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

पी.एम.एफ.बी.वाई का फसल बीमा दावा वितरण कार्यक्रम

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत फसल बीमा दावा वितरण कार्यक्रम का आयोजन 11 अगस्त 2025 को झुंझुनू हवाई पट्टी, झुंझुनू में किया गया। माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 3200 करोड़ रुपये की फसल बीमा दावा राशि को सीधे किसानों के बैंक खातों में डिजिटल रूप से हस्तांतरित किया। इस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने झुंझुनू, सीकर, जयपुर, कोटपुतली, बहरोड़ और अन्य जिलों के किसानों की बड़ी भागीदारी के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि देश भर के विभिन्न राज्यों के लाखों किसान वर्चुअल माध्यम से इसमें शामिल हुए। एनआईसी जिला केंद्र, झुंझुनू ने सुचारू तकनीकी व्यवस्था सुनिश्चित की और स्टेटिक आईपी के साथ 100 एमबीपीएस बीएसएनएल पी2पी लीज लाइन की स्थापना और परीक्षण के लिए समन्वय किया। अन्य जिलों के साथ दो-तरफ़ा संचार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण तैनात और परीक्षण किए गए। इस प्रकार, निर्बाध तकनीकी सहायता और कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2025)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

धौलपुर विज्ञान केंद्र का उद्घाटन

माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह ने 08 जुलाई 2025 को राजस्थान में धौलपुर विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। भारत सरकार की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पहल "विज्ञान सेतु" के अंतर्गत, इस विज्ञान केंद्र की स्थापना राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान द्वारा धौलपुर जिले के युवाओं में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश भर के लोग इस क्षण का हिस्सा बन सकें, उद्घाटन समारोह का लाइव वेबकास्ट एनआईसी के सहयोग से राष्ट्रीय दर्शकों तक पहुँचा। एनआईसी धौलपुर जिला केंद्र ने इस कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की योजना, समन्वय और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तकनीकी कार्यप्रणाली की अवधारणा से लेकर निर्बाध डिजिटल प्रसारण सुनिश्चित करने तक, एनआईसी धौलपुर का योगदान वेबकास्ट की सफलता के मूल में था।

राजस्थान में यह पहली बार है कि किसी जिले से किसी लाइव कार्यक्रम की राष्ट्रीय स्तर के वेबकास्ट पोर्टल webcast.gov.in पर सफलतापूर्वक योजना बनाई गई, उसे क्रियान्वित किया गया और प्रसारित किया गया, जिसने जिला स्तर पर भविष्य के डिजिटल कार्यक्रमों के लिए एक मानक स्थापित किया।

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आईसीडीएस डीबीटी

https://rajposhan.rajasthan.gov.in/rajposhan

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने "मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन" के अवसर पर "आंगनवाड़ी बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान उत्सव" की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को ₹501 की राशि भेंट की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान के लिए एनआईसी द्वारा विकसित और पे मैनेजर एवं बजट (आईएफएमएस 2.0) से एकीकृत राजपोषण 2.0 पोर्टल के माध्यम से 5 अगस्त, 2025 को 1.21 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बैंक खातों में ₹6,06,21,000 की राशि का सिंगल-क्लिक हस्तांतरण सफलतापूर्वक किया गया।

माननीय उपमुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग की पहल का उद्घाटन किया

https://vlts.rajasthan.gov.in/

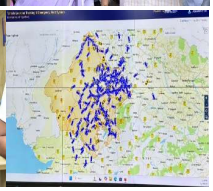

राजस्थान के माननीय उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री, डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने 28 जुलाई 2025 को जयपुर में परिवहन और सड़क सुरक्षा विभाग के लिए एनआईसी द्वारा विकसित तीन परिवर्तनकारी डिजिटल पहलों का उद्घाटन किया। इनमें वाहन स्थान ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस), ई-डिटेक्शन एप्लिकेशन और हाइपोथेकेशन रिमूवल मॉड्यूल शामिल हैं, जिन्हें एनआईसी राजस्थान द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। ये परियोजनाएं डिजिटल शासन को मजबूत करने, नागरिक सेवाओं में सुधार और राजस्थान में सड़क सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर श्रीमती शुचि त्यागी, परिवहन सचिव, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा एसआईओ राजस्थान, श्री ओ पी बुनकर अपर परिवहन आयुक्त, श्री अमित अग्रवाल- वैज्ञानिक एफ, श्री श्रीपाल यादव- वैज्ञानिक एफ, श्री किशोर तनवानी- वैज्ञानिक ई, श्री मनोज प्रकाश प्रबंधक एनआईसीएसआई भी उपस्थित थे। ई-डिटेक्शन प्रणाली राजस्थान राज्य के विभिन्न टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों की जानकारी प्रदान करती है और टोल प्लाजा द्वारा ई-डिटेक्शन एप्लीकेशन पर नियमित रूप से अपलोड की जाती है। ई-डिटेक्शन एप्लीकेशन विभिन्न एमवी दस्तावेजों जैसे टैक्स, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, परमिट आदि की वैधता की जांच करता है और जिन वाहनों के दस्तावेज की वैधता उचित नहीं है, उनके लिए स्वचालित चालान जारी करता है। वाहन 4.0 सॉफ्टवेयर में हाइपोथिकेशन रिमूवल मॉड्यूल इस तरह जोड़ा गया है कि ऋण प्रदान करने वाला बैंक एपीआई के माध्यम से वाहन पोर्टल पर उपरोक्त एनओसी डेटा उपलब्ध कराएगा और उसके आधार पर हाइपोथिकेशन हटाया जाएगा। इससे वाहन ऋण लेने वाले वाहन मालिकों को सुविधा होगी और फर्जी हाइपोथिकेशन हटाने पर रोक लगेगी।

राजस्थान राज्य समन्वयक का जयपुर दौरा

उप महानिदेशक (डीडीजी) एवं राजस्थान राज्य समन्वयक श्री विनोद अग्रवाल ने प्रमुख डिजिटल पहलों की प्रगति की समीक्षा और राज्य एवं जिला स्तरीय एनआईसी केंद्रों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने हेतु 10 से 12 जुलाई 2025 तक राजस्थान का तीन दिवसीय आधिकारिक दौरा किया। अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री नरेश चंद्र गुप्ता ने एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र में राज्य समन्वयक का स्वागत किया। इस दौरे की शुरुआत एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आई.एम.एस.) और पहचान सहित प्रमुख परियोजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतियों के साथ हुई, जिसके बाद कार्यान्वयन प्रगति और भविष्य के लक्ष्यों पर चर्चा के लिए विभागीय सचिवों के साथ बैठक हुई। उन्होंने परिवहन, आईसीजेएस (इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम), भूमि अभिलेख, डाक विभाग जैसी महत्वपूर्ण ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की समीक्षा की और गहन समीक्षा सत्र के साथ डीआईओ के साथ वीसी की अध्यक्षता की और 12 जुलाई 2025 को होने वाले प्रधानमंत्री रोजगार मेले की तैयारियों पर विशेष जोर दिया। यात्रा के दौरान, उन्होंने रचनात्मक सुझाव दिए, एनआईसी टीमों के साथ निकटता से बातचीत की और उन्हें सेवा वितरण बढ़ाने, परियोजना प्रदर्शन में सुधार करने और राजस्थान भर में डिजिटल गवर्नेंस पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री विनोद कुमार अग्रवाल, राजस्थान राज्य समन्वयक और डीडीजी ने फिर से जयपुर का दौरा किया और 3-4 सितंबर 2025 को राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न बैठकों में भाग लिया। राज्य समन्वयक ने एसआईओ राजस्थान के साथ मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, आईटी सचिव और अन्य आईएएस अधिकारियों से मुलाकात की राज्य समन्वयक ने एसआईओ के साथ एनआईसी विद्याधर नगर कार्यालय का भी दौरा किया और ई-पंजीकरण, डीआईएलआरएमपी और क्षेत्रीय अनुप्रयोग सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र में एनआईसी टीम के साथ बातचीत की। उन्होंने एनआईसी राजस्थान की पहल की सराहना की और सभी परियोजना प्रमुखों को साइबर सुरक्षा के मुद्दों को बहुत गंभीरता से लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी सॉफ्टवेयर को सुरक्षा ऑडिट पूरा होने के बाद ही तैनात किया जाना चाहिए।

साइबर सुरक्षा सुझाव

उन्नत क्यूआर कोड घोटालों से सावधान रहें!

साइबर अपराधी अब सुरक्षा स्कैनर से फ़िशिंग लिंक छिपाने के लिए स्प्लिट और नेस्टेड क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर रहे हैं।
सुरक्षित रहने के लिए, किसी भी क्यूआर कोड को स्कैन करने से पहले हमेशा स्रोत की पुष्टि करें।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2025)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

टोंक जिले की "PadhaiWithAI" पहल राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित

https://padhaiwithai.in/

टोंक जिले की अभिनव शैक्षिक पहल "PadhaiWithAI" को 7 अगस्त 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आकांक्षी जिलों और ब्लॉक कार्यक्रम के तहत नीति आयोग द्वारा आयोजित सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शित किया गया था। श्री सुशील अग्रवाल, वैज्ञानिक सी और डी.आई.ओ टोंक ने प्रदर्शनी में एक स्टाल प्रदर्शित कर टोंक जिले का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर एनआईसी टोंक द्वारा विकसित पहल "Padhai with AI" को प्रस्तुत किया। इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचार के लिए नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम और श्री रोहित कुमार, अपर सचिव और मिशन निदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विशेष सराहना की गयी। टोंक जिले की "PadhaiWithAI" – कक्षा 10 के छात्रों के लिए गणित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्यक्तिगत शिक्षा पहल को नवाचार और शिक्षा क्षेत्र में तकनीक के उपयोग के लिए मान्यता दी गई, जिसका उद्देश्य स्कूल के छात्रों में अपेक्षित सुधार लाना है।

हिंदी कार्यशाला : सकारात्मक श्री अन्न के माध्यम से सम्पूर्ण स्वास्थ्य

राजभाषा अधिनियम, 1963 के नियम 1976 की अनुपालना में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कर्मियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, जयपुर में दिनांक 23 जुलाई 2025 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला "सकारात्मक श्री अन्न के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य" विषय पर आधारित रसायन मुक्त अनाज, रोग मुक्त, औषधि मुक्त, भय मुक्त और तनाव मुक्त जीवन के अभियान से संबंधित थी। इस कार्यशाला का प्रारम्भ राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा, द्वारा अपने उद्बोधन के साथ दुर्ग (छत्तीसगढ़) से आए अतिथि श्री अशोक कुमार शर्मा, मिलेट आचार्य, रिटायर्ड लेखाकार एवं हैप्पीनेस कोर्स शिक्षक - आर्ट ऑफ़ लिविंग का संबोधन हेतु स्वागत किया गया। श्री अशोक कुमार शर्मा ने श्रोताओं को बताया कि "सकारात्मक श्री अन्न और स्वस्थ जीवन शैली" हमारे शरीर में कैसे क्रांति और हमारे स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव कैसे ला सकती है, जिससे हमारे कार्य प्रदर्शन में सुधार एवं साथ ही सकारात्मक, तटस्थ और नकारात्मक अनाजों के बीच अंतर को समझाया एवं उनमें उपलब्ध विभिन्न पोषक तत्वों के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही बताया कि श्री अन्न, जिसे मोटे अनाज के रूप में भी जाना जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। श्री अन्न औषधीय गुणों से युक्त खाद्य पदार्थ एवं स्वास्थ्य की जड़ें हैं, इन्हें खाने से हम विभिन्न बीमारियों को दूर कर सकते हैं। श्री अन्न को अपने आहार में शामिल करके और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर, आप अपने संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। श्री शर्मा ने बताया कि स्वस्थ शरीर के लिए अखाद्य वस्तुओं का त्याग करना व रोज पैदल चलना चाहिए। इस कार्यक्रम में राज्य केन्द्र पर पदस्थापित अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से व जिलों में पदस्थापित अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

हिंदी पखवाडा आयोजन (15 से 26 सितम्बर 2025)

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रति जागरूकता तथा उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों आदि में हर वर्ष सितम्बर माह में "हिन्दी पखवाड़ा" आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, जयपुर (राजस्थान) कार्यालय में हिन्दी राजभाषा पखवाड़ा 2025 का आयोजन दिनांक 15 से 26 सितम्बर, 2025 तक सफलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, आशुभाषण लेखन, श्रुतलेखन, हिन्दी/अंग्रेजी अनुवाद आदि आयोजित की गयीं। राजभाषा पखवाड़े को और अधिक रोचक बनाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं अलग-अलग निर्णायकों द्वारा संचालित की गई। राजकार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रोत्साहन हेतु आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों के लिए अनेक पुरस्कार रखे गए। हिन्दी दिवस और हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ 15 सितम्बर, 2025 को किया गया, जिसमें सर्वप्रथम माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा जारी संदेश और राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र के महानिदेशक श्री अभिषेक सिंह द्वारा प्रसारित अपील को वरिष्ठ निदेशक (सु.प्र.) व राजभाषा अधिकारी श्री सोहन लाल कुमावत द्वारा पढ़ा गया। इस आयोजन में राज्य केन्द्र पर पदस्थापित अधिकारी ने व्यक्तिगत तथा जिलों में पदस्थापित अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर उदयपुर जिला केन्द्र से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी डॉ. पी. गायत्री द्वारा 'राजभाषा प्रोत्साहन' विषय पर अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी भाषा के प्रसार और प्रयोग का दायित्व सभी का है, हिन्दी को आधिकारिक कार्यकाज में उपयोग करना चाहिए। भारत की राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी भाषा का सम्मान करना और उसके विकास में योगदान देना ही राजभाषा नीति का सही मतलब है। राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी द्वारा अधिकारियों से हिन्दी पखवाड़े के दौरान अपने आधिकारिक सरकारी कार्यों को राजभाषा में करने और इस पखवाड़े को सतत रूप से मनाने का आग्रह किया।

नागरिक पंजीकरण एवं महत्वपूर्ण सांख्यिकी सम्मेलन

श्रीमती पी. गायत्री, एसआईओ राजस्थान और श्री अमित अग्रवाल, वैज्ञानिक-एफ, नागरिक पंजीकरण एवं जीवन सांख्यिकी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। सम्मेलन में पीएस योजना, निदेशक जनगणना संचालन, मुख्य रजिस्ट्रार और यूनिसेफ के अधिकारी उपस्थित थे।

एनआईसी जिला केंद्रों की समीक्षा हेतु एसआईओ का दौरा

राजस्थान की एसआईओ डॉ. पी. गायत्री ने जिला केंद्र की गतिविधियों की समीक्षा के लिए उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जिलों का दौरा किया। उनके साथ एएसआईओ (राज्य), श्री चंदन सेन और अनुभाग अधिकारी, श्रीमती मंजू सोनी भी थीं। जिला सूचना अधिकारियों ने एसआईओ, एएसआईओ (राज्य) और अनुभाग अधिकारी का स्वागत किया और उन्हें चल रही आईसीटी परियोजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन चुनौतियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. गायत्री ने जिला सूचना अधिकारियों के साथ बातचीत की और जिला स्तरीय पहल के क्रियान्वयन में आने वाली स्थिति और समस्याओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा व सौंपी गई राज्य स्तरीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उदयपुर दौरे के दौरान, उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट और शहरी विकास आयुक्त से बातचीत की और उन्हें एनआईसी की गतिविधियों से अवगत कराया। सभी ने एनआईसी उदयपुर द्वारा की गई पहलों व गतिविधियों की सराहना की।

सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के एकीकृत योजना पोर्टल हेतु MOU

16 जुलाई, 2025 को सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए एक एकीकृत योजना पोर्टल विकसित करने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, एनआईसी और एनआईसीएसआई के बीच राजस्थान सरकार के माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, एनआईसी और एनआईसीएसआई के बीच राजस्थान सरकार के माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री ओमप्रकाश भड़ाना अध्यक्ष देवनारायण बोर्ड, श्रीमती अपर्णा अरोड़ा एसीएस एसजेईडी, श्री आशीष मोदी निदेशक एवं संयुक्त सचिव, श्री जे.के. वर्मा, एसआईओ, एनआईसी राजस्थान सहित एनआईसी और एसजेईडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री आशीष मोदी, निदेशक एसजेईडी और श्री जितेंद्र वर्मा, राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके सहमति व्यक्त की।

नई परियोजना स्वीकृत

श्री मुकेश झा वैज्ञानिक एफ, श्री आईडी वरियानी वैज्ञानिक एफ, श्री अमित भिवानी वैज्ञानिक एफ, श्रीमती प्रिया भारद्वाज वैज्ञानिक एफ, श्री शारुल सक्सेना वैज्ञानिक डी और टीम के समर्पण और निरंतर प्रयासों से, राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग की प्रतिष्ठित परियोजना "कार्मिक" को 12 जुलाई 2025 को महानिदेशक, एनआईसी द्वारा अनुमोदित किया गया है। प्रस्ताव के संबंध में महानिदेशक एनआईसी के सभी प्रश्नों का टीम द्वारा उत्तर दिया गया और महानिदेशक सभी के लिए आश्वस्त थे।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2025)

त्रैमासिक प्रोजेक्ट: राजस्थान में एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (iRAD)

https://irad.parivahan.gov.in

श्रीपाल यादव
(वैज्ञानिक-एफ)
राजस्थान राज्य केंद्र

iRAD परियोजना सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की एक पहल है। देश में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित है। NICSI और IIT मद्रास को संयुक्त रूप से iRAD परियोजना के डिजाइन, विकास, प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के साथ-साथ अनुसंधान व विश्लेषण गतिविधियों का कार्य सौंपा गया है। iRAD को 15 फरवरी 2025 को राजस्थान और पाँच अन्य राज्यों में एक पायलट परियोजना के रूप में लॉन्च किया गया था। राजस्थान में, परिवहन विभाग iRAD के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। इसके लागू होने के बाद से, iRAD पूरे राज्य में पूरी तरह कार्यात्मक हो गया है, जिसमें 4 प्रमुख हितधारक विभागों जैसे - पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सड़क-स्वामित्व वाली एजेंसियां (जैसे, NHAI, PWD) द्वारा नियमित रूप से सड़क दुर्घटना डेटा संग्रह और प्रविष्टि की जाती है। अब तक iRAD ऐप में 1,24,700 से अधिक दुर्घटनाएँ दर्ज की गई हैं।

पूरे भारत से एक सटीक और एकसमान सड़क दुर्घटना डेटा संग्रह तंत्र का उपयोग करके सड़क सुरक्षा प्राप्त करने के लिए, iRAD मोबाइल और वेब एप्लिकेशन विकसित किया गया है। हितधारकों को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर रोलआउट प्रबंधक और मास्टर प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। iRAD एप्लिकेशन उपयोगकर्ताओं के लिए व्यावहारिक अभ्यास के लिए डेमो संस्करण के साथ-साथ वास्तविक समय में डेटा प्रविष्टि के लिए लाइव संस्करण में भी उपलब्ध है। राजस्थान ने सड़क सुरक्षा के लिए कई पहलों के साथ iRAD को अपनाया है:- (क) पूरे राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों और राजमार्गों पर अत्यधिक दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों/खंडों की पहचान और सुधार। (ख) पुलिस और परिवहन द्वारा प्रवर्तन दलों की तैनाती के लिए iRAD ग्रिड प्रणाली का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। (ग) राष्ट्रीय राजमार्गों और राज्य राजमार्गों के सड़क सुरक्षा ऑडिट में iRAD मानचित्र का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। (घ) सड़क सुरक्षा नीति विकसित करने के लिए iRAD दुर्घटना डेटा का उपयोग किया जा रहा है और हितधारक iRAD की सहायता से सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए उपचारात्मक उपाय कर रहे हैं।

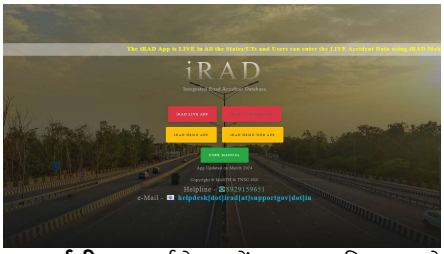

हितधारक iRAD वेब एप्लिकेशन को "iRAD LIVE WEB APP" बटन पर क्लिक करके और iRAD मोबाइल एप्लिकेशन को iRAD लैंडिंग पृष्ठ पर प्रदर्शित "iRAD LIVE APP" बटन पर क्लिक करके एक्सेस कर सकते हैं। इसी प्रकार, डेमो वेब ऐप को "iRAD DEMO WEB APP" बटन पर क्लिक करके और डेमो मोबाइल ऐप को लैंडिंग पृष्ठ पर "iRAD DEMO APP" बटन पर क्लिक करके एक्सेस किया जा सकता है।

उपयोगकर्ता लॉग-इन प्रक्रिया

1. अपने iRAD खाते में साइन इन करने के लिए, अपने मोबाइल पर ऐप इंस्टॉल करें या ब्राउज़र के माध्यम से एक्सेस करें।
2. साइन-इन पृष्ठ में 4 फ़ील्ड हैं - विभाग, उपयोगकर्ता नाम, पासवर्ड और कैप्चा।
3. विभाग का चयन करें और प्रदर्शित सही कैप्चा के साथ उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड दर्ज करें।
4. अंत में एप्लिकेशन में लॉग इन करने के लिए आगे बढ़ने हेतु "साइन इन" बटन पर क्लिक करें।

एनआईसी इस कार्ययोजना में एक प्रमुख हितधारक के रूप में शामिल है, जिसका उद्देश्य आईटी गवर्नेंस प्लेटफॉर्म, विशेष रूप से iRAD/eDAR, को वितरित और विकसित करना है, जिनका उपयोग सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए किया जा रहा है।

iRAD/eDAR को कार्ययोजना के अनुसार सड़क सुरक्षा बढ़ाने हेतु योजना बनाने और डेटा विश्लेषण हेतु एक प्रमुख डेटाबेस के रूप में लिया गया है।

एसआईओ राजस्थान और राज्य परिवहन समन्वयक ने बैठक में भाग लिया और राज्य में iRAD/eDAR के कार्यान्वयन और की गई पहलों की जानकारी दी।

राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव ने सभी सचिवों के साथ राजस्थान राज्य के लिए 10 वर्षों की सड़क सुरक्षा रणनीति और कार्य योजना की समीक्षा की।

iRAD के महत्वपूर्ण बिंदु और भविष्य के पहलू

- विश्व बैंक की टीम ने राजस्थान का दौरा किया और iRAD के कार्यान्वयन की सराहना की।
- iRAD को राजस्थान के लिए राज्य सड़क सुरक्षा रणनीति और कार्य योजना के विकास हेतु एक प्रमुख डेटाबेस के रूप में लिया गया है।
- राज्य स्तर पर iRAD कमांड एवं कंट्रोल सेंटर का गठन प्रक्रियाधीन है।
- iRAD को प्रत्येक राज्य सड़क सुरक्षा संस्थान के पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है।

iRAD eDAR e-Detailed Accident Report

iRAD State Team

Group Leader
Shri Amit Agarwal
Scientist-F

Project Leader
Shri Shripal Yadav
Scientist-F

Team Leader
Shri Kishore Tanwani
Scientist-E

eDAR (इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट)

यह MoRTH की एक महत्वाकांक्षी परियोजना और iRAD का विस्तारित संस्करण है। किसी दुर्घटना के विरुद्ध iRAD में की गई प्रविष्टियों के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट तैयार की जाएगी। e-DAR पोर्टल का उपयोग MACT और बीमा कंपनियों द्वारा दावा निपटान प्रक्रिया के लिए किया जाएगा। e-DAR के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है और सभी हितधारकों के लिए दो कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं। सभी उपयोगकर्ता विभागों द्वारा इसे सुचारू रूप से अपनाने के लिए जिला स्तर पर नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

राजस्थान के राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी का विदाई एवं स्वागत समारोह

19 अगस्त 2025 को राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर में निवर्तमान एसआईओ, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा, जिनका स्थानांतरण एनआईसी, नई दिल्ली में हुआ है, के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। साथ ही, डॉ. पी. गायत्री, जिन्हें एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली से एसआईओ, राजस्थान के रूप में कार्यभार संभालने के लिए स्थानांतरित किया गया है, के लिए स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती प्रिया भारद्वाज, कल्याण अधिकारी और वैज्ञानिक-एफ द्वारा कविता प्रस्तुत की गयी। डॉ. पी. गायत्री का स्वागत कुमकुम तिलक और एक गुलदस्ता के साथ और हार्दिक बधाई दी गई। श्री जितेंद्र कुमार वर्मा को हार्दिक प्रशंसा के साथ कुमकुम तिलक और एक गुलदस्ता दिया गया। राजस्थान राज्य केंद्र के अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, जबकि एनआईसी जिला केंद्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इसके साथ ही, डॉ. पी. गायत्री का हार्दिक स्वागत किया गया और उनके नेतृत्व में नए आयामों, नवाचारों और दृष्टिकोणों की खोज करने की प्रतिबद्धता के साथ, सार्वजनिक सेवा के उद्देश्य से भविष्य की आईटी पहलों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। अपने संबोधन में, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा ने एनआईसी राजस्थान टीम की प्रशंसा की और उन्होंने शासन और प्रशासन को समय पर और पारदर्शी समर्थन सुनिश्चित करने के साथ-साथ आईटी परियोजनाओं को पूरा करने में एनआईसी राजस्थान टीम के समर्पण पर प्रकाश डाला। डॉ. पी. गायत्री ने अपने भाषण में, महत्वपूर्ण आईटी परियोजनाओं को लागू करने में श्री वर्मा की उल्लेखनीय उपलब्धियों को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि इन परियोजनाओं में आगे की उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, साथ ही संभावित नवाचारों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से एनआईसी राजस्थान को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए समर्पण के साथ मिलकर काम करने की अपील की।

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Jul-25	Aug-25	Sep-25	
1	DBT through Pay Manager	17490777	15791985	12587695	45870457
2	DILRMP ROR	13583745	9109904	8292682	30986331
3	Shala Darpan	95219	98251	109817	303287
4	IFMS - Rajkosh Challans	1443248	1295350	1320997	4059595
5	eGras	1243298	1129684	1145932	3518914
6	IFMS - Rajkosh Bills	402084	364831	297070	1063985
7	Pay Manager Other Bills	190531	177923	215323	583777
8	Registration and Stamps	243061	195325	209808	648194
9	E-Transport Vehicle Registration	112581	113083	107278	332942
10	E-Transport Driving Licence	71293	63386	59463	194142

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2025)

प्रौद्योगिकी वार्ता: एआई और मशीन लर्निंग की शक्ति

सोनिया (एसटीए-ए)
एनआईसी-जिला केंद्र
श्रीगंगानगर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) अब केवल प्रचलित शब्द नहीं रह गए हैं - ये उद्योगों में बदलाव ला रहे हैं और तकनीक के भविष्य को आकार दे रहे हैं। वॉइस असिस्टेंट और सेल्फ-ड्राइविंग कारों से लेकर धोखाधड़ी का पता लगाने और व्यक्तिगत सुझावों तक, एआई और एमएल अभूतपूर्व गति से नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं।

एआई और एमएल जीवनचक्र - डेटा एनालिटिक्स की तरह, एआई/एमएल एक संरचित यात्रा का अनुसरण करता है:

- व्यावसायिक मामला - समस्या और अपेक्षित परिणामों को परिभाषित करें।
- डेटा संग्रह - कई स्रोतों (टेक्स्ट, चित्र, सेंसर, आदि) से डेटा एकत्र करें।
- डेटा तैयारी - डेटा को साफ़, सामान्यीकृत और पूर्व-संसाधित करें।
- फ़ीचर इंजीनियरिंग - प्रमुख विशेषताओं की पहचान और निर्माण करें।
- मॉडल निर्माण - मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए एल्गोरिदम लागू करें।
- मॉडल मूल्यांकन - सटीकता, परिशुद्धता, रिकॉल आदि का परीक्षण करें।
- परिनियोजन - मॉडलों को वास्तविक प्रणालियों में एकीकृत करें।
- निगरानी - निरंतर पुनः प्रशिक्षित और अनुकूलित करें।

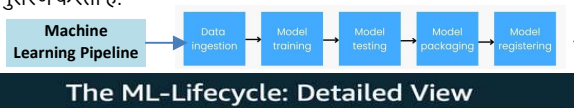

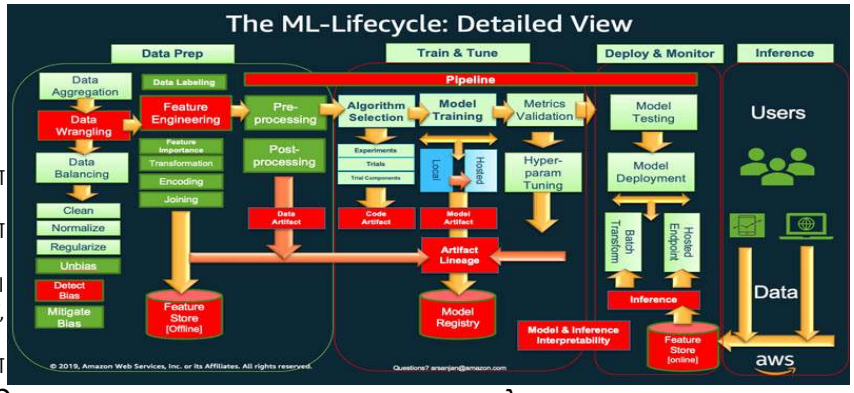

मशीन लर्निंग के प्रकार- AI/ML को मोटे तौर पर निम्न में वर्गीकृत किया जा सकता है:

- पर्यवेक्षित शिक्षण - लेबल किए गए डेटा (जैसे, स्पैम का पता लगाना) का उपयोग करके परिणामों की भविष्यवाणी करना।
- अपर्यवेक्षित शिक्षण - लेबल रहित डेटा (ग्राहक विभाजन) में पैटर्न की खोज।
- सुदृढीकरण शिक्षण - पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया करके सीखना (जैसे, रोबोटिक्स, गेमिंग)
- गहन शिक्षण - चित्र, भाषण और वीडियो जैसे जटिल डेटा के लिए तंत्रिका नेटवर्क।

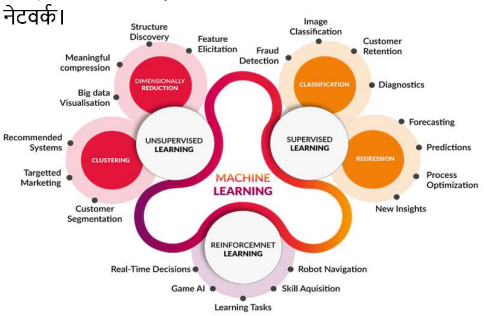

लोकप्रिय AI/ML उपकरण-

- TensorFlow और Py-Torch डीप लर्निंग फ्रेमवर्क हैं।
- Scikit-learn, Keras पायथन लाइब्रेरी हैं।
- OpenAI API और जेनरेटिव AI
- H2O.ai, Weka, RapidMiner उपयोगकर्ता-अनुकूल ML प्लेटफ़ॉर्म हैं।

व्यवहार में AI/ML मॉड्यूल

पूर्वानुमानित स्वास्थ्य विश्लेषण (पीसीटीएस प्रणाली): एआई/एमएल मॉडल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल डेटा का विश्लेषण करते हैं, जिससे लक्षित हस्तक्षेप और बेहतर परिणाम संभव होते हैं।

AI/ML के लाभ-

- बेहतर और तेज़ निर्णय लेने की क्षमता
- दोहराए जाने वाले कार्यों का स्वचालन
- व्यक्तिगत ग्राहक अनुभव
- व्यावसायिक दक्षता और लागत बचत
- स्वास्थ्य सेवा, वित्त और शिक्षा में नवाचार

आगे की चुनौतियाँ-

- डेटा गुणवत्ता और गोपनीयता संबंधी समस्याएँ
- एल्गोरिथम संबंधी पूर्वाग्रह व निष्पक्षता संबंधी चिंताएँ
- उच्च कम्प्यूटेशनल लागत
- व्याख्यात्मकता का अभाव ("ब्लैक बॉक्स" मॉडल)

डायनेमिक चैटबॉट्स (एनआईसीसीआई): प्राकृतिक भाषा और आवाज़ की क्षमताओं वाला एक बुद्धिमान चैटबॉट, सरकारी पोर्टलों के साथ नागरिकों के संपर्क को बेहतर बनाता है और त्वरित और बहुभाषी समर्थन प्रदान करता है।

चेहरे का प्रमाणीकरण: एआई-संचालित आधार चेहरा प्रमाणीकरण, डिजिटल सेवाओं में सुरक्षित और उपयोगकर्ता-अनुकूल पहचान को बेहतर बनाता है।

बिग डेटा एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म (तेजस): वर्णनात्मक, नैदानिक, पूर्वानुमानात्मक और निर्देशात्मक क्षमताओं के साथ स्वयं-सेवा विश्लेषण प्रदान करता है, जिससे डेटा-संचालित नीति और परिचालन संबंधी निर्णयों में सहायता मिलती है।

निष्कर्ष: एआई और एमएल हमारे जीने और काम करने के तरीके को आकार दे रहे हैं। हालाँकि पूर्वाग्रह और गोपनीयता जैसी चुनौतियों से सावधानीपूर्वक निपटने की आवश्यकता है, लेकिन अवसर अनंत हैं - पूर्वानुमानित स्वास्थ्य सेवा और स्वायत्त परिवहन से लेकर बुद्धिमान सहायकों तक। एआई/एमएल हर क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कारक बना रहेगा।

Published By

संरक्षक
डॉ. पी. गायत्री, एस. आई. ओ. राजस्थान

संपादकीय बोर्ड

श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री विनोद कुमार शर्मा , वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'
श्री मनीष कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-'सी'
श्रीमती सोनिया तोमर, एसटीए-'ए'

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेल: sioraj@nic.in
वेबसाइट: https://raj.nic.in

सेवानिवृति

श्री मुकेश कुमार झा, वैज्ञानिक-एफ

जन्म तिथि: 19-09-1965
कार्यभार ग्रहण तिथि: 04-10-1988
कार्यभार ग्रहण पद: वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
सेवानिवृत्ति तिथि: 30-09-2025
सेवानिवृत्ति स्थान: उच्च न्यायालय जयपुर
शिक्षा: एम.एससी. भौतिकी
पदस्थापन स्थान: अहमदाबाद, गांधीनगर, कोटा, राज्य केंद्र जयपुर, उच्च न्यायालय।
परियोजना संचालन: अहमदाबाद और कोटा में सभी जिला स्तरीय परियोजनाएँ, आईएचआरएमएस, लेबर-सॉफ्ट परियोजना, एएसआईओ जिले और ई-कोर्टिस।

श्री संदीप भार्गव, वैज्ञानिक-एफ

जन्म तिथि: 31-08-1965
कार्यभार ग्रहण तिथि: 16-12-1991
कार्यभार ग्रहण: वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
सेवानिवृत्ति तिथि: 31-08-2025
सेवानिवृत्ति स्थान: राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर
शिक्षा: एम.एससी. सांख्यिकी एवं पीजीडीसीए
पदस्थापन स्थान: झाबुआ, रतलाम, राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर।
परियोजना संचालन: वक्फ बोर्ड कम्प्यूटरीकरण, ऑनलाइन बीपीएल-जनगणना, पीएमएवाई-ग्रामीण (आवास-सॉफ्ट), नरेगा राज्य पोर्टल, राज्य बीपीएल, एकीकृत कार्य निगरानी प्रणाली, चिकित्सा एवं ई-पावर।

श्री अरविंद कुमार, वैज्ञानिक-ई

जन्म तिथि: 25-08-1965
कार्यग्रहण तिथि: 02-02-1990
कार्यग्रहण: वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
सेवानिवृत्ति तिथि: 31-08-2025
सेवानिवृत्ति स्थान: राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर
शिक्षा: पीजीडीसीए और एमसीए
पदस्थापन स्थान: शिमला, जालौर और राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर
परियोजना संचालन: आईवीएफआरटी, ई-कारागार व राज्य स्तरीय परियोजनाएँ।

पदोन्नति पर स्थानांतरित

श्री दीपक कुमार शर्मा,
सहायक अनुभाग अधिकारी
एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर
सेवा में
बिहार राज्य केंद्र, पटना
(अनुभाग अधिकारी के रूप में)